India Media Monitor

Hari Bhoomi

Protest at jantar mantar

Date: 09/08/2013 | Edition: Delhi | Page: 5 | Source: Bureau | Clip size (cm): W: 14 H: 11

Clip: 1 of 1

वाटर कैनन से डॉक्टरों को रोकने की कोशिश

हरिभूमि न्यूज. नई दिल्ली

नई दिल्ली। ग्रामीण क्षेत्र में एक साल की पोस्टिंग अनिवार्य किए जाने से नाराज डॉक्टरों ने गुरुवार को जंतर-मंतर पर धरना दिया। धरना में शामिल डॉक्टर व मेडिकल स्टूडेंट पीजी के लिए एक साल ग्रामीण क्षेत्र में सेवा देना अनिवार्य किए जाने को गलत बताते हुए इसे वापस लिए जाने की मांग कर रहे थे। धरना में शामिल एक युवा डॉक्टर ने बताया कि मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया का यह फरमान महिला डॉक्टरों के लिए बहुत ही मुश्किल भरा होगा। उनके समक्ष सुरक्षा को लेकर समस्या उत्पन्न हो सकती है। कोई जरूरी नहीं है कि जहां महिला डॉक्टर की पोस्टिंग हो वहां उनके रहने व सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था हो। वहीं डॉक्टर अमित के अनुसार ग्रामीण क्षेत्र में सेवा अनिवार्य बनाने के बजाय सरकार को इसे एच्छिक रखना चाहिए। जो डॉक्टर वहां काम के इच्छुक हों वहां जा सकते हैं, लेकिन मेडिकल की आगे की पढ़ाई के लिए ऐसी शर्त उच्च शिक्षा के प्रति छात्रों को हतोत्साहित करेगी। धरना का आयोजन इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की तरफ से किया गया था। इसमें बड़ी संख्या में मेडिकल स्टूडेंट शामिल हुए। हालांकि जंतर-मंतर पर धरना पर बैठे लोगों ने जब बैरिकेड तोड़ संसद की तरफ बढ़ने की कोशिश की तो पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की। जब वे लोग रुके नहीं तो पुलिस ने वाटर कैनन का प्रयोग कर उन्हें आगे बढ़ने से रोका। बता दें कि धरना में महिला डॉक्टर भी शामिल हुई थीं। प्रदर्शन के अंत में डॉक्टरों के प्रनिनिधिमंडल ने सरकार को अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा। सरकार ने डॉक्टरों को आश्वासन दिया है कि ग्रामीण क्षेत्र में पोस्टिंग की बात इस साल से लागू नहीं होगा।